Total number of printed pages-2

FYUGP/Sem-4/HN-MN1

2026

(Regular)

Hindi (Minor)

Paper Code : HN-MN-4214

Paper Name : प्रयोजनमूलक हिंदी

Time : 2½ hours **Full Marks : 60**

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×7=7

   क) राष्ट्रभाषा से आप क्या समझते हैं ?

   ख) माध्यम भाषा किसे कहते हैं ?

   ग) संविधान सभा ने कब हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था ?

   घ) अनुच्छेद 343 के अनुसार शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप कैसा होगा ?

   ङ) व्यावसायिक हिंदी की एक विशेषता लिखिए ।

   च) सरकारी स्तर पर अधिसूचना का प्रयोग कहाँ-कहाँ होता है ?

   छ) पल्लवन और व्याख्या में क्या अंतर है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×4=8

   क) सर्जनात्मक भाषा और राजभाषा के दो अंतर लिखिए ।

   ख) प्रयीजनमूलक हिंदी की दो विशेषताएँ लिखिए ।

   ग) अनुच्छेद 348 के अनुसार उच्चतम न्यायालय की भाषा क्या होगी ?

   घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिंदी अनुवाद

Contd...

लिखिए :

Auditor, Chief Justice, Deputy Secretary, Governor, Director, Legal Adviser.

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं तीन*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3=15

क) अनुच्छेद 350 और 351 में उल्लिखित राजभाषा संबंधी प्रावधानों पर प्रकाश डालिए ।

ख) संचार माध्यमों की हिंदी की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

ग) पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण-प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

घ) परिपत्र किसे कहते हैं ? इसकी एक रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए ।

ङ) भाव-पल्लवन कीजिए :

"विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरा नहीं, पर अपनी भाषा सर्वोपरि है" ।

च) वैज्ञानिक हिंदी की विशेषताओं पर एक टिप्पणी लिखिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं तीन*** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

क) राजभाषा अधिनियम, 1963 के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डालिए ।

ख) विधि की हिंदी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

ग) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति की समीक्षा कीजिए ।

घ) पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ङ) संक्षेपण का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए इसके लेखन में ध्यान योग्य बातों का परिचय दीजिए ।

च) संचार माध्यमों की हिंदी भाषा के बदलते स्वरुप पर आलोकपात कीजिए ।

■■■